**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 380

उत्‍तर देने की तारीख: 13.12.2018

**शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों और कर्मचारियों की कमी**

**380. श्री राम नाथ ठाकुरः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि देश में केन्द्रीय शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों एवं गैर शिक्षण कर्मचारियों की भारी कमी है;

(ख) क्या छात्रों को दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ने वाले इनके प्रभाव का कभी कोई आकलन कराया गया है;

(ग) केन्द्रीय शैक्षिक संस्थानों में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की ऐसी रिक्तियां तुरन्त भरी जाना सुनिश्चित करने के लिए उठाये गये कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) आज की स्थिति के अनुसार देश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में कितने पद खाली हैं?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(डॉ. सत्‍य पाल सिंह)**

(क): जी, हां।

(ख): जी, नहीं।

(ग): रिक्‍तियों का होना और रिक्‍त पदों का भरा जाना एक सतत एवं जारी रहने वाली प्रक्रिया है। आईआईटी, एनआईटी और आईआईआईटी जैसे संस्‍थानों ने गुणवत्‍ता वाले संकाय को आकर्षित करने के लिए कदम उठाए हैं, जिनमें वर्ष भर किए गए जाने वाले मुक्‍त विज्ञापन, पुराने छात्रों/वैज्ञानिकों/संकायों को खोज-सह-चयन प्रक्रिया के माध्‍यम से आंमत्रित करना अंतर्राष्‍ट्रीय जर्नल्‍स में विज्ञापन देना और एनआरआई तथा ओसीआई को नियमित संकाय के लिए लागू शर्तों पर संकाय पदों पर नियुक्‍त करना शामिल हैं। ये संस्‍थान इन कमियों को दूर करने के लिए संविदा, सहायक और अतिथि संकाय को रखने के साथ-साथ शिक्षण की ऑन-लाइन पद्धति का भी प्रयोग कर रहे हैं।

(घ): सूचना संलग्‍न है।

**\*\*\*\*\***